खुले में फेंक दीं ग्लूकोज की एक्सपायरी बाटलें

स्टोर इंचार्ज ने कहा–हमें नहीं मालूम किसने फेंकी, सीएमएचओ बोले– दिखवाता हूं

रायसेन, 10 नवंबर. जिला अस्पताल इन दिनों भगवान भरोसे चल रहा है. यदि कोई निरीक्षण करने आता है तो अस्पताल को बिल्कुल ऐसा दिखाया जाता है कि यहां सब ठीक चल रहा है और उनके जाने के बाद स्थिति जस की तस हो जाती है. इसके चलते ही अस्पताल की बड़ी लापरवाही सामने आई है. अस्पताल में बने औषधि भंडार गृह के बगल में एक्सपायरी डेट की ग्लुकोज की बाटले फैंक दी गई है. जब इस बात की जानकारी स्टोर कीपर के कर्मचारियों को बताया तो उन्होंने अपना पल्ला झाड़ते हुए

स्टोर कर्मचारी अपनी अपनी सफाई देते नजर आए. उन्होंने कहा ये हमारे द्वारा नहीं फेंकी गई है. किस के द्वारा फेंकी गई है हमें नहीं पता जब इस मामले में सीएम एचओ डॉक्टर मांडरे से बात की गई तो उन्हें तो इस मामले की जानकारी ही नहीं थी. पहले कहने लगे जो दवा एक्सपायर हो जाती है. उसे डिस्पोज किया जाता है. जब उन्हें बताया कि अस्पताल में स्टोर रुम के बगल में में पड़ी है. तब उन्होंने कहा मैं दिखवाता हूं. इस तरह इतनी बड़ी लापरवाही से अस्पताल प्रबंधन कोई सीख नहीं ले रहा है.

यह है नियम: नियमानुसार जो भी दवाइयां एक्सपायर होती है. उन दवाइयों की लिस्ट बनाकर सीएस को सौंपी जाती है. उसके बाद उन दवाइयों को बायोवेस्ट के साथ रख जाती है. जिससे इन दवाइयों का विनष्टीकरण करवाया जा सके. इधर अस्पताल ने लापरवाही पूर्वक स्टोर रूम के बाजू में ऑक्सीजन प्लांट के पीछे में फेंक दिया. जो कि नियम विरूद्ध है.

जिला अस्पताल में इन दिनों कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है. यहां पर वर्षों से जमे बाबू पूरी व्यवस्था को अपने मुठ्ठी में कर रखा है, जिसको लेकर स्टाफ में नाराजगी तो रहती है लेकिन कोई कुछ भी कह नहीं पाता है इन पर विशेष आशीर्वाद होने की वजह से कोई खुल कर सामने आ नहीं आ पाता है. हालात यह हो चले हैं कि, अस्पताल में इस्तेमाल होने वाले दवाइयां हो या उपकरण हो या दवा, सर्जिकल आइटम सहित अन्य कुछ भी, बाबुओं की मनमर्जी के चलते है, जबकि शासनादेश में स्पष्ट है कि दवा संबंधित कुछ आइटम एक्सपायरी होने पर जिम्मेदार और सुरक्षित निपटान के तरीक खुले में दवाएं फेंकना बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का उल्लंघन है.

पर्यावरण को खतरा

इससे ज़मीन, पानी और वायु प्रदूषण होता है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं. बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का पालन: अस्पताल को बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत एक्सपायर्ड दवाओं का निपटान करना चाहिए, जिसमें उचित रिकॉर्ड बनाए रखना भी शामिल है.

कड़कड़ाती की ठंड में खुले आसमान के नीचे बिताई रात

कृषि उपज मंडी में किसानों को ठंड से बचाने नहीं है कोई इंतजाम

रायसेन, 10 नवंबर. रायसेन में 10 डिग्री की कड़ाके की ठंड के बीच रविवार को पहुंचे करीब 400 किसानों को खुले आसमान के नीचे रात बितानी पड़ी. अपनी धान की उपज बेचने आए इन किसानों को मंडी समिति की ओर से कोई सुविधा नहीं मिली, जिससे उन्हें ठंड और ओस का सामना करना पड़ा. यह किसान दशहरा मैदान में अपनी उपज लेकर पहुंचे थे और नीलामी के इंतजार में रात भर जागने को मजबूर हुए.

दशहरा मैदान में पहुंचे किसानों ने बताया कि ओस गिरने से उनके कंबल और कपड़े गीले हो गए थे. उन्हें अपनी धान की उपज को तिरपाल से बचाने के साथ-साथ खुद को भी उसी तिरपाल से ढकना पड़ा. इस कारण उन्हें पूरी रात जागकर बितानी पड़ी. बीते तीन दिनों से रायसेन में रात का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है. किसान अपनी धान की उपज लेकर एक दिन पहले ही पहुंच गए थे और उन्हें नीलामी के लिए 25 से 30 घंटे तक इंतजार करना पड़ा. इसका मुख्य कारण धान की बंपर आवक है. प्रतिदिन 25 से 30 हजार क्विंटल धान मंडी में पहुंच रही है, जिससे करीब एक हजार ट्रॉलियां दशहरा मैदान में जमा हो जाती हैं.

नीलामी में देरी से भी परेशानी: व्यापारियों द्वारा सुबह 11 बजे से नीलामी शुरू की जाती है, जो दोपहर के भोजन के बाद ढाई से तीन बजे के बीच फिर से शुरू होती है. अधिक आवक के कारण किसान नीलामी से पहले ही अपनी उपज लेकर दशहरा मैदान पहुंचने लगते हैं, जिससे उन्हें खुले में रात बितानी पड़ती है.

किसान बोले- अलाव तक की व्यवस्था नहीं

बैरसिया तहसील के किसान महेश कुमार भार्गव ने बताया कि वे रविवार को ही अपनी धान लेकर दशहरा मैदान पहुंच गए थे. उन्हें तेज सर्दी के बीच रात गुजारनी पड़ी क्योंकि मंडी समिति की ओर से अलाव की कोई व्यवस्था नहीं थी. ओस और कड़ाके की ठंड के कारण उन्हें नींद नहीं आई.

बीज में मिलावट से धान की फसल हुई खराब

- **सिलवानी क्षेत्र के किसानों ने मांगा मुआवज़ा**
- **केंद्रीय कृषि मंत्री ने भेजी जांच टीम**

सिलवानी, 10 नवंबर. तहसील क्षेत्र के ग्राम देवरी मढ़िया और आसपास के गांवों में किसानों की मेहनत इस बार बेकार चली गई. किसानों का आरोप है कि वायर कंपनी की हाइब्रिड धान किस्म 8433 (क्रांति) का बीज खराब निकला, जिससे फसल लगभग 75 प्रतिशत तक प्रभावित हो गई. इस कारण किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है.

किसानों के अनुसार यह बीज उन्होंने महेश्वरी ट्रेडर्स, सिलवानी और एचके कृषि सेवा केंद्र बम्होरी रोड सिलवानी से खरीदा था. किसानों का कहना है कि कंपनी द्वारा दिए गए बीज में मिलावट की गई थी, जिसके चलते पौधों की वृद्धि रुक गई और उनमें वाझपन रोग जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई. नतीजतन पूरे गांव के लगभग 150 एकड़ रकबे की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई. किसानों ने बताया कि शिकायत के बाद कंपनी के अधिकारियों ने खेतों का निरीक्षण किया था और मुआवज़ा देने का आश्वासन दिया था. लेकिन अब कंपनी की टीम ने हार्वेस्टिंग के दौरान मुआवज़ा देने से इंकार कर दिया, जिससे किसानों में गहरा आक्रोश फैल गया है.

> किसान महेंद्र यादव ग्राम सिंगपुरी ने कहा मैंने एचके कृषि सेवा केंद्र से 40 किलो 8433 धान का बीज लिया था जिसे 10 एकड़ में लगाया गया. पूरा खेत बेकार हो गया है. क्षेत्र के अन्य किसान भी अब कंपनी के खिलाफ सामूहिक शिकायत दर्ज कराने की तैयारी कर रहे हैं. किसानों का कहना है कि इस बार कई लोगों ने बासमती की जगह वायर कंपनी का मोटा धान 8433 बोया था, और अगर यह बीज नकली साबित हुआ तो पूरे इलाके के किसानों को करोड़ों का नुकसान हो सकता है.

नाराज़ किसानों ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर मांग की थी कि उन्हें उचित मुआवज़ा दिलाया जाए और बीज की गुणवत्ता की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए. शिकायत के बाद कृषि मंत्री के निर्देश पर दिल्ली से आई जांच टीम सोमवार को ग्राम देवरी मढ़िया पहुंची. टीम के सदस्यों ने किसानों के खेतों में जाकर फसल की स्थिति का निरीक्षण किया और नुकसान का आंकलन किया. हालांकि, मीडिया के सवालों पर जांच दल के अधिकारी टालमटोल करते नजर आए. जैसे ही जांच दल गांव पहुंचा देवरी मढ़िया सहित सिलवानी क्षेत्र के दर्जनों किसान मौके पर इकट्ठा हो गए. किसानों ने बताया कि उन्होंने वायर कंपनी का 8433 बीज लगाया था, जिसकी कीमत 440 रुपए प्रति किलो थी और यह 3 किलो की पैकिंग में मिलता है. एक एकड़ में लगभग 4 किलो बीज लगाया गया था, जो एचके कृषि सेवा केंद्र बरेली रोड सिलवानी से खरीदा गया था. अब किसान खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि उन्हें उनका नुकसान भरपाई के रूप में वापस मिले. किसान अरविंद रघुवंशी ग्राम मढ़िया देवरी ने बताया मेरे द्वारा महेश्वरी ट्रेडर्स उदयपुरा से वायर कंपनी का 8433 बीज लिया गया था. इसे 17 एकड़ में लगाया था लेकिन पूरा बीज बेकार निकला जिससे भारी नुकसान हुआ है.

कलेक्टर ने आंगनवाड़ी का किया निरीक्षण

सलामतपुर, 10 नवंबर. कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा सोमवार को सांची जनपद पंचायत के ग्राम मुक्तापुर में आंगनवाड़ी केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया. उन्होंने निरीक्षण के दौरान बच्चों से भी पूछा कि उन्हें आंगनवाड़ी केन्द्र आना अच्छा लगता है, यहां मिलने वाला नाश्ता और भोजन स्वाष्टि होता है या नहीं.

कलेक्टर विश्वकर्मा ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से आंगनवाड़ी केन्द्र में दर्ज बच्चों की संख्या और उनकी नियमित उपस्थिति की जानकारी ली तथा

बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि जो बच्चे नियमित नहीं आते, उनके माता-पिता से संवाद कर बच्चों को रोजाना आंगनवाड़ी केन्द्र भेजने की समझाईश दें. इसी प्रकार बच्चों को नाश्ता व भोजन वितरण की जानकारी लेते हुए कहा कि कहा कि बच्चों को मेन्यु के आधार पर नाश्ता व भोजन का वितरण किया जाए.

चंदन पिपलिया में सांसद खेल महोत्सव की तैयारी

- **रामपाल सिंह ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद**

सिलवानी, 10 नवंबर. ग्राम चंदन पिपलिया में भारत सरकार के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आदिवासी अंचल में आगामी कार्यक्रम के मद्देनज़र क्षेत्र के नेता रामपाल सिंह ने ग्राम चंदन पिपलिया में कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया.

इस अवसर पर उन्होंने आगामी सांसद खेल महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की तथा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. सिंह ने कहा कि खेल महोत्सव युवाओं में ऊर्जा, अनुशासन और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला महोत्सव है, अत: सभी कार्यकर्ता मिलजुलकर इसे सफल बनाएं. कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष दीपक सिंह रघुवंशी, भाजपा मंडल अध्यक्ष पप्पू ठाकुर सहित क्षेत्र के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

सर्दी ने दी दस्तक, गेहूं की बुवाई ने पकड़ी रफ्तार

सिलवानी, 10 नवंबर. जैसे-जैसे सर्दी ने दस्तक दी है, रबी सीजन की तैयारियां भी तेज हो गई हैं. सुबह और शाम के समय अब ठंड का असर महसूस किया जाने लगा है, जिससे किसानों ने गेहूं की बुवाई में तेजी ला दी है. कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, मौजूदा मौसम गेहूं की फसल के लिए अनुकूल है और तापमान में गिरावट बुवाई के लिए बेहतर परिस्थितियाँ बना रही है.

किसानों का झुकाव इस बार भी गेहूं की फसल की ओर सबसे अधिक देखा जा रहा है. इसका मुख्य कारण यह है कि गेहूं की सरकारी खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर नियमित

रूप से की जाती है, जिससे किसानों को स्थिर और भरोसेमंद आमदनी का स्रोत मिलता है. कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि तहसील क्षेत्र में गेहूं की बुवाई पूरे नवंबर माह तक जारी रहेगी. वहीं, अच्छी बारिश और मिट्टी में नमी की उपलब्धता के चलते इस बार उत्पादन बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है.

जिला अस्पताल में स्वर्ण प्राशन संस्कार शिविर आज

रायसेन. जिला चिकित्सालय रायसेन स्थित शासकीय आयुष विंग पंचकर्म चिकित्सा केन्द्र में मंगलवार को सुबह 9 से शाम 4 बजे तक नि:शुल्क स्वर्ण प्राशन संस्कार शिविर आयुर्वेदिक इम्यूनाइजेशन का आयोजन किया जा रहा है. डॉ शरद चौधरी ने बताया कि यह शिविर जन्म से 16 साल तक के बच्चों के लिए है. स्वर्णप्राशन हजारों वर्षो से ऋषि मुनियों द्वारा बताए गए पवित्र 16 संस्कारों में से एक महत्वपूर्ण संस्कार है, जिसमें शिशुओं को स्वर्ण, मधु, घी एवं अनेक औषधियों का मिश्रण दिया जाता है. स्वर्णप्राशन जन्म से 16 वर्ष की आयु तक प्रत्येक पुष्य नक्षत्र पर दिया जाना चाहिए.

31 बच्चों की जांच, 14 कुपोषित मिले

दीवानगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लगा जांच शिविर

सलामतपुर, 10 नवंबर. रायसेन कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देश पर जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं. इसी क्रम में सोमवार को दीवानगंज स्वास्थ्य केंद्र में कुपोषित बच्चों की जांच के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया.

शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा बच्चों का वजन, लंबाई और स्वास्थ्य परीक्षण किया गया.

कुल 31 बच्चों की जांच की गई, जिनमें से 14 बच्चे कुपोषित पाए गए. जिन्हें पोषण आहार किट प्रदान की गई. कुपोषित बच्चों के माता-पिता को बच्चों को समय पर पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने, नियमित जांच कराने और पुनर्वास केंद्र में भर्ती करवाने की समझाइश दी गई. इस दौरान सांची ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर रवि राठौर, परियोजना अधिकारी आशा सिंह, सेक्टर सुपरवाइजर नीता अहिरवार, अंबाडी सरपंच प्रतिनिधि रमेश कुमार सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ता मौजूद रहे. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अभियान निरंतर जारी रहेगा.

जंगल में पेड़ से लटका मिला महिला का शव

सलामतपुर, 10 नवंबर. सलामतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम दहिडा कोलीखेड़ा के पास पहाड़ी क्षेत्र में सोमवार सुबह एक महिला का लगभग 8 दिन पुराना शव पेड़ पर लटका हुआ मिला. मृतका की पहचान लक्ष्मीबाई पति महेश सपेरा उम्र 29 वर्ष निवासी सलामतपुर राजीव नगर के रूप में हुई है. महिला परिवार के साथ धान काटने के लिए दहीडा कोली खेड़ा में पहाड़ी किनारे अस्थायी टपरे बनाकर रुकी हुई थी.

न्यायोत्सव उपजेल में जागरुकता शिविर आयोजित

बंदियों को बताए उनके कानूनी अधिकार

बेगमगंज, 10 नवंबर. मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार सुहाने के मार्गदर्शन में तहसील विधिक सेवा समिति बेगमगंज द्वारा विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में 9 नवंबर से 14 नवंबर तक न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत सोमवार को उपजेल बेगमगंज जिला रायसेन में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया.

उक्त जागरूकता शिविर में द्वितीय जिला न्यायाधीश सचिन द्विवेदी द्वारा जेल में निरुद्ध बंदियों को उनके कानूनी अधिकार पुनर्वास प्रक्रियाओं और निशुल्क कानूनी सहायता सेवाओं की उपलब्धता के बारे में बताते हुए शिक्षित किया .

> जिससे पारदर्शिता और समय पर न्याय प्राप्त हो सके. इसके अलावा भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देने और समाज में उनके प्रभावी पुनर्मिलन में सहायता के लिए मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता और सहायता सुझाव साझा किए गए.

सांची में जिला स्तरीय युवा संगम मेला आज

रायसेन. जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार 11 नवम्बर को जनपद पंचायत सांची में जिला स्तरीय युवा संगम मेले का आयोजन किया जा रहा है. जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा कौशल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह युवा संगम मेला मंगलवार को प्रात: 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया गया है. इस युवा संगम मेले के माध्यम से युवाओं को विभिन्न कम्पनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने के साथ ही शासन की स्वरोजगारमूलक योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी.

मारपीट करने वाले 3 गिरफ्तार

मुड़ियाखेड़ा रोड पर युवक से मारपीट का मामला

सलामतपुर, 10 नवंबर. 5 नवंबर की रात मुड़ियाखेड़ा रोड पर एक युवक पर जानलेवा हमला करने वाले 3 आरोपियों प्रज्वल मेहर पिता सुरेश मैहर उम्र 21 साल निवासी करोंद भोपाल एवं अन्य दो नाबालिग को सलामतपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है.

उनके पास से चाकू, लोहे की रॉड और लूटी हुई मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है. पकड़े गए तीन आरोपियों में से दो नाबालिग हैं. पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने विष्णु लोधी के साथ इसलिए मारपीट की है कि वह उनकी बहन से बात करता था. आरोपियों को पकड़ने में थाना प्रभारी दिनेश सिंह रघुवंशी, एएसआई रमेश रैकवार, एएसआई सुनील शर्मा, प्रधान आरक्षक विकास श्रीवास्तव, गणेशराम रघुवंशी, पुष्पेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक हेत सिंह मीणा, आरक्षक रोहित गोस्वामी, बृजेश, रंजीत राहुल, सौरभ की महत्वपूर्ण भूमिका रही. गौरतलब है कि 5 नवंबर की रात सलामतपुर थाना क्षेत्र के मुड़ियाखेड़ा रोड पर एक युवक विष्णु लोधी निवासी मुड़ियाखेड़ा, जो दीवानगंज में स्थित एक मिनी मार्ट पर काम करता है, रात करीब 9:30 बजे दुकान बंद कर अपने घर लौट रहा था इसी दौरान मुड़ियाखेड़ा रोड नहर की पुलिया के पास तीन से चार अज्ञात आरोपियों ने उसका रास्ता रोककर उस पर जानलेवा हमला कर दिया था.